ISSN 0972-7280

खण्ड 41, अंक 4

अक्टूबर से दिसंबर, 2025

पूसा समाचार

भा.कृ.अ.सं. ने नवोन्मेषी किसान सम्मेलन 2025 की मेजबानी की

श्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस के अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में कृषि परिवर्तन को गति प्रदान करने में किसानों की भूमिका का उत्सव मनाने के लिए "नवोन्मेषी किसान सम्मेलन 2025" का आयोजन किया गया

समाचार सूची

अनुसंधान 2
शिक्षा 4
प्रसार 6
क्षमता निर्माण 9
भा.कृ.अ.सं.-झारखंड की गतिविधियां 12
भा.कृ.अ.सं.-असम की गतिविधियां 12
अनुसंधान अनुदान, प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण एवं कृषि उद्यमिता 13
संस्थागत गतिविधियाँ, पुरस्कार, प्रकाशन और भ्रमण 16-20

निदेशक की कलम से......

इस तिमाही के दौरान, संस्थान ने प्रथम नवोन्मेषी किसान सम्मेलन का आयोजन किया, जिसने प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद के लिए एक मंच प्रदान किया, तथा कृषि परिवर्तन को गति प्रदान करने वाले नेताओं के साथ किसान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवधि के दौरान अनुसंधान की प्रमुख उपलब्धियों में उच्च उपज देने वाली सोयाबीन किस्मों का विमोचन, फाइटोग्लाइकोजन से समृद्ध मक्का के वंशक्रम का विकास, पोषक तत्व अभावजनित तनाव सहनशीलता पर आणविक स्तर की समझ, उत्तर-पूर्व भारत में *आर्बस्कुलर माइकोराइज़ल* फफूंद की विविधता का व्यापक मानचित्रण, तथा प्रमुख फसल रोगों और कीटों के लिए तीव्र एलएएमपी-आधारित निदान उपकरणों का विकास शामिल है।

उद्योग के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए, संस्थान ने पादप संरक्षण में एक अकादमिक-उद्योग बैठक का आयोजन किया। *सेंट्रल एक्सीलेंस ऑन एग्री-पीवी* का उद्घाटन एक राष्ट्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में किया गया, जिसका उद्देश्य विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विज्ञान-आधारित एग्री-पीवी समाधान को बढ़ावा देना है।

छात्र-उन्मुख कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय कृषि छात्र सम्मलेन और दीक्षारंभ का आयोजन अध्ययनरत एवं नवप्रवेशित स्नातकोत्तर छात्रों के लिए किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्व खाद्य दिवस, विश्व मृदा दिवस, किसान दिवस और कृषि शिक्षा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

संस्थान ने अपनी अनुसंधान गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए कई बाहरी वित्तपोषित परियोजनाएँ भी प्राप्त कीं। प्रयोगशाला से खेत तक पहल के अंतर्गत, भा.कृ.अ.सं. तकनीकों के लिए पेटेंट और कॉपीराइट दाखिल किए गए। किसानों और महिला किसानों के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रदर्शन आयोजित किए गए, जो संस्थान की अनुसंधान उत्कृष्टता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

मुझे विश्वास है कि पूसा समाचार में दी गई जानकारी किसानों और अन्य हितधारकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मैं इस न्यूज़लेटर को समय पर प्रकाशित करने के लिए सभी वैज्ञानिकों और प्रकाशन इकाई तथा हिंदी अनुभाग को बधाई देता हूँ।

डॉ. सीएच श्रीनिवास राव
निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अ.सं.

अनुसंधान

जीनोमिक्स से मक्का पोषण और संरचना में सुधार

जीनोमिक्स-सहायित चयन के माध्यम से स्वीट कॉर्न के दानों में फाइटोग्लाइकोजन की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि की गई, जिसके परिणामस्वरूप *टीसेसिव* शुगरी-1 आधारित पुनर्गठित संकरों में लगभग 4.5 गुना वृद्धि दर्ज की गई। मक्का की शीघ्र कटाई से दाने एवं चारे में फाइटेट संचय कम पाया गया, जिससे लौह (आयरन) एवं जिंक जैसे खनिजों की जैवउपलब्धता में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, मक्का में पौधों की ऊँचाई कम करने हेतु प्रजनक-अनुकूल सह-प्रधान (co-dominant) क्रियात्मक मार्कर (एमजीयू-बीआर2एमा, एमजीयू-बीआर2एम2) विकसित एवं सत्यापित किए गए, जिनका उपयोग आणविक प्रजनन में प्रभावी रूप से किया जा सकता है।

(हुसैन एफ. एवं विग्नेश एम., आनुवंशिकी संभाग) (firoz.maize@iari.res.in)

उत्तर भारत के लिए जारी की गई फसल किस्में

फसल	किस्म	उपज क्षमता	अनुशंसित क्षेत्र	
सोयाबीन	पूसा सोयाबीन 6	औसत बीज उपज 21.4 क्विंटल/हेक्टेयर **(लाल एस.के., आनुवंशिकी संभाग)** **(sklal@iari.res.in)**	हरियाणा और पंजाब	
सोयाबीन	पूसा सोयाबीन 21	औसत बीज उपज 22.5 क्विंटल/हेक्टेयर **(तालुकदार ए., आनुवंशिकी संभाग)** **(atalukdar@iari.res.in)**	हरियाणा और पंजाब	

पूर्वोत्तर भारत में ऊँचाई के विभिन्न स्तरों पर आर्बस्कुलर माइकोराइज़ल फफूंद विविधता का मानचित्रण

एक व्यापक सूक्ष्मजीव अध्ययन में सिक्किम, मेघालय और असम के प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों में एएमएफ की विविधता और वितरण का विश्लेषण किया गया। इसके लिए विभिन्न ऊँचाई स्तरों से एकत्रित 30 मृदा नमूनों का *इल्यूमिना सीक्वेंसिंग* द्वारा परीक्षण किया गया। सिक्किम में एएमएफ की सर्वाधिक समृद्धि पाई गई, जहाँ अधिकांश स्थलों पर *ग्लोमेरेसी* प्रमुख रहा। असम में *पैराग्लोमस* तथा सिक्किम में *राइजोफैगस* जैसे विशिष्ट क्षेत्रीय वंश भी पाए गए। समुदाय संरचना में स्पष्ट क्षेत्रीय विभाजन देखा गया, जो मुख्य रूप से मृदा के पीएच और जैविक कार्बन से प्रभावित था। यह अध्ययन मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

(भौमिक एस.एन., सुमन ए., रामकृष्णन बी., सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग)
(subrata@iari.res.in)

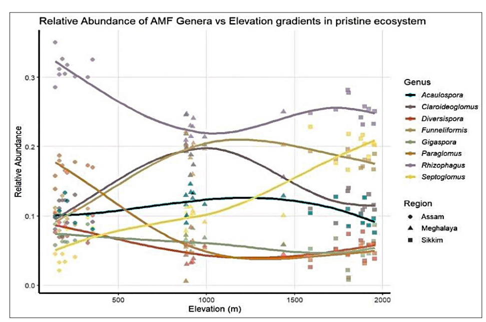

उत्तर-पूर्वी पारिस्थितिक तंत्रों (सिक्किम, मेघालय, असम) में ऊँचाई के विभिन्न स्तरों पर आर्बस्कुलर माइकोराइज़ल फफूंद की विविधता और वितरण का वर्णन

गन्ने की मिट्टी में फिप्रोनिल और इमिडाक्लोप्रिड का पर्यावरणीय व्यवहार

तीन अलग-अलग गन्ना उगाने वाली मिट्टियों में फिप्रोनिल और इमिडाक्लोप्रिड का अध्ययन किया गया, जिन्हें अलग-अलग और मिश्रित (प्रीमिक्स) रूप में लगाया गया। निक्षालन अध्ययनों से पता चला है कि मिट्टी में फिप्रोनिल की तुलना में इमिडाक्लोप्रिड अधिक गतिशील है और मिट्टी के प्रकार का प्रभाव, निक्षालन के व्यवहार पर कीटनाशकों की सह उपस्थिति की तुलना में अधिक मजबूत पाया गया। प्रयोगशाला में इनक्यूबेट की गई मिट्टी में अपघटन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि दोनों कीटनाशकों के बीच कोई महत्वपूर्ण पारस्परिक प्रभाव नहीं था। फिप्रोनिल ने मिट्टी में इमिडाक्लोप्रिड की तुलना में अधिक समय तक मौजूद रहकर स्थायित्व दिखाया, चाहे इसे अकेले लगाया गया हो या संयुक्त रूप से।

(सिंह एन, कृषि रसायन संभाग) (neerasingh@iari.res.in)

धान की आच्छद अंगमारी (शीथ ब्लाइट) और तरबूज मक्खी (मेलन फ्लाई) की त्वरित पहचान हेतु एलएएमपी-आधारित निदान उपकरण

दो लूप-मीडिएटेड आइसोथर्मल परीक्षण प्रमुख जैविक खतरों की त्वरित और संवेदनशील पहचान के लिए विकसित किए गए। धान की आच्छद अंगमारी के रोगजनक *राइज़ोक्टोनिया सोलानी* की पहचान मेजर फैसिलिटेटर सुपरफैमिली जीन को लक्षित करने वाले परीक्षण द्वारा की गई, जबकि मेलन फ्लाई ज़्यूगोडाकस कुकुरबिटे की पहचान साइटोक्रोम सी ऑक्सीडेज सबयूनिट। (सीओआइ) जीन-आधारित एलएएमपी परीक्षण से की गई। दोनों परीक्षणों ने उच्च विशिष्टता प्रदर्शित की, कोई क्रॉस-रिएक्टिविटी नहीं पाई गई, और इन्हें विभिन्न नमूनों, जीनोटाइपों तथा स्थानों पर सफलतापूर्वक मान्य किया गया, जिससे खेत-स्तर पर शीघ्र और विश्वसनीय निदान संभव हुआ।

(माया बी, पादप रोग विज्ञान संभाग) (bishnu@iari.res.in) और (बरमन एस, शशांक पी.आर., दीक्षा डी., शर्मा एस.के., गुप्ता एन., कुमार ए., ढिल्लों एम.के. और रे एस.) (कीट विज्ञान संभाग) (shashank@iari.res.in)

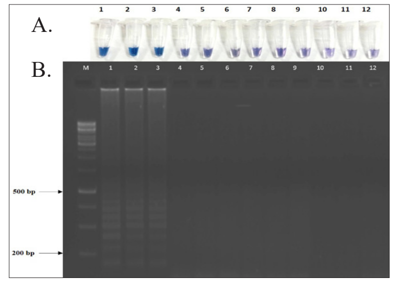

एलएएमपी परीक्षण की विशिष्टता (ए और बी) इस प्रकार है: ए में एचएनबी डाई की मदद से एलएएमपी रिएक्शन को रंग के आधार पर आँखों से देखा गया, जबकि बी में एलएएमपी से प्राप्त उत्पादों को एगरोज जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस द्वारा जांचा गया। यहाँ एम 100 बीपी का मॉलिक्यूलर मार्कर है। लेन 1 से 3 में राइज़ोक्टोनिया सोलानी के आइसोलेट्स (टीपी3, टीपी 10, टीपी 18) दिखाए गए हैं। लेन 4 और 5 में यूस्टिलाजिनोइडिया विरेन्स (यूवी2_4G, यूवी403), लेन 6 और 7 में फ्यूजेरियम फुजिकुरोई (एफ 32, एफ 55), लेन 8 और 9 में बाइपोलारिस ओराइज़ी (बीओ1, बीओ4), तथा लेन 10 से 12 में बाइपोलारिस सोरोकिनियाना (बीएस12, बीएस69) शामिल हैं। यह परीक्षण विभिन्न फफूंद प्रजातियों की पहचान करने और एलएएमपी परीक्षण की सटीकता जाँचने के लिए किया गया है।

धान में फॉस्फोरस के अवशोषण और संचलन को समझना

धान में फॉस्फोरस (पी) के कम उपयोग दक्षता के कारण खेती की लागत बढ़ जाती है और पर्यावरणीय जोखिम भी बढ़ते हैं। इसलिए पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण तंत्र को समझना आवश्यक है। पूसा-44 और उसके पीयूपी1 क्यूटीएल से विकसित नियर-आइसोजेनिक लाइन (एनआईएल-23) का अलग-अलग फॉस्फोरस परिस्थितियों में तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन से पता चला कि पीयूपी1, फॉस्फोरस की कमी (स्टार्वेशन) के दौरान तनाव से प्रेरित वैकल्पिक स्प्लाइसिंग को नियंत्रित करता है। लगभग 20 जीन ऐसे पाए गए जिनमें अभिव्यक्ति में अंतर के साथ-साथ ऊतक-विशिष्ट स्प्लाइसिंग परिवर्तन भी देखे गए। विशेष रूप से एनआईएल-23 में जड़ों में स्प्लाइसिंग कम हुई, जबकि तनों में स्प्लाइसिंग बढ़ी हुई पाई गई। ये परिणाम दर्शाते हैं कि पीयूपी1 से जुड़ा स्प्लाइसिंग नियंत्रण फॉस्फोरस संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही, ये निष्कर्ष धान में पोषक-तत्व उपयोग दक्षता और तनाव सहनशीलता सुधारने के लिए नई आणविक कार्यनीतियों का सुझाव देते हैं।

(कुमार एस., जैवरसायन विज्ञान संभाग) (sureshkumar@iari.res.in)

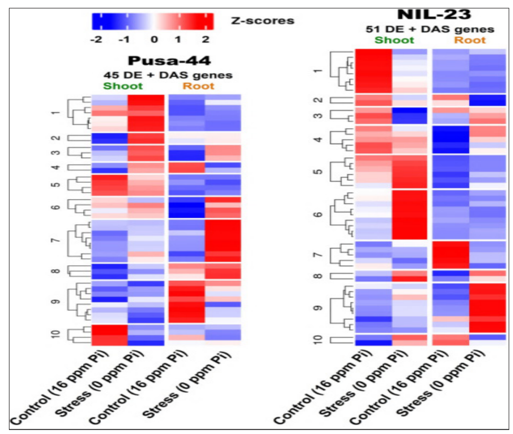

यह हीट मैप पूसा-44 (तनाव के प्रति संवेदनशील) और एनआईएल-23 (तनाव सहनशील) धान जीनोटाइप्स की जड़ों और तने के ऊपर के भागों में उन जीनों/ट्रांसक्रिप्ट्स को दिखाता है, जिनमें अभिव्यक्ति में अंतर) तथा वैकल्पिक स्प्लाइसिंग में अंतर पाया गया। इसके माध्यम से यह समझा जा सकता है कि तनाव की स्थिति में दोनों जीनोटाइप्स में कौन-कौन से जीन अलग तरीके से सक्रिय होते हैं और किस ऊतक में अधिक परिवर्तन दिखाई देता है

नाइट्रोजन की कमी में एम्मर गेहूं में एमआईआरएनए द्वारा आइसोप्रेनॉइड और जड़ वृद्धि का नियंत्रण

एम्मर गेहूं (ट्रिटिकम डाइकोक्कम) में जब नाइट्रोजन की कमी होती है, तो एमआईआरएनए (सूक्ष्म आरएनए) के स्तर में ख़ास बदलाव देखने को मिलते हैं। ये बदलाव पौधे की नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और तनाव सहन करने की क्षमता से जुड़े होते हैं। एमआईआरएनए अनुक्रम विश्लेषण से पता चला कि ये एमआईआरएनए उन जीनों को नियंत्रित करते हैं जो नाइट्रोजन चयापचय, संकेत संप्रेषण, जड़ विकास और द्वितीयक चयापचय से संबंधित हैं। विशेष रूप से आइसोप्रेनॉइड के निर्माण पर इनका अधिक प्रभाव पाया गया।कुछ एमआईआरएनए ऐसे जीनों को लक्षित करते हैं जो सीवाईपी450 एंजाइम, टरपीन सिंथेस, पॉलीफेनॉल ऑक्सीडेज और लिग्निन निर्माण से जुड़े होते हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि नाइट्रोजन की कमी में पौधा अपने चयापचय को नए तरीके से समायोजित करता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि एम्मर गेहूं की विभिन्न किस्मों में एंथोसायनिन और कैरोटेनॉइड की मात्रा लगातार बढ़ी हुई थी। इससे पता चलता है कि एमआईआरएनए आइसोप्रेनॉइड चयापचय को नियंत्रित करके ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

(सती एल., पादप कार्यिकी संभाग) (lekshmy@iari.res.in)

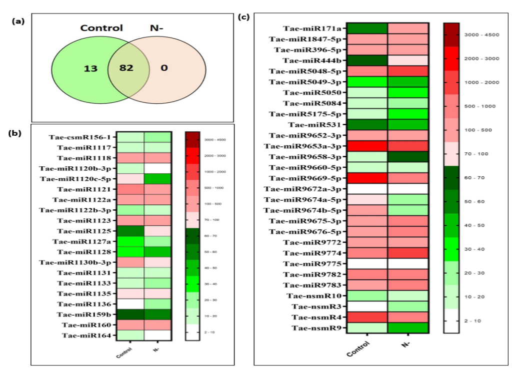

(ए) वेन आरेख अलग-अलग परिस्थितियों में पाए गए विभिन्न रूप से व्यक्त ट्रांसक्रिप्ट्स की संख्या को दिखाता है। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कौन-से ट्रांसक्रिप्ट्स नाइट्रोजन की कमी और पर्याप्त नाइट्रोजन, दोनों स्थितियों में समान हैं और कौन-से केवल किसी एक स्थिति में पाए गए। (बी) और (सी) हीट मैप्स, ट्रिटिकम डाइकोक्कम (डी17) में एमआईआरएनए -एस ईक्यू विश्लेषण के आधार पर विभिन्न रूप से व्यक्त एमआईआरएनए के अभिव्यक्ति पैटर्न को दर्शाते हैं। ये हीट मैप नाइट्रोजन की कमी और पर्याप्त स्थितियों के बीच एमआईआरएनए स्तर में हुए बदलाव को स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि नाइट्रोजन उपलब्धता के अनुसार कौन-से एमआईआरएनए सक्रिय या कम सक्रिय होते हैं

शिक्षा

राष्ट्रीय कृषि छात्र सम्मेलन

दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा एक ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों से आए छात्रों, वैज्ञानिकों और कुलपतियों के साथ सीधे संवाद किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य कृषि शिक्षा समुदाय के साथ विचार-विमर्श करना, उनकी समस्याएँ सुनना और कृषि शिक्षा व अनुसंधान को और मजबूत बनाने की दिशा में मार्गदर्शन देना था।

राष्ट्रीय कृषि छात्र सम्मेलन के दौरान अपना संबोधन देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के बीच मजबूत शैक्षणिक साझेदारी

दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (नई दिल्ली) ने वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस बैठक का उद्देश्य कृषि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाना था। संस्थान के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव ने प्रो. इयान एंडरसन (प्रो वाइस-चांसलर, रिसर्च एंड एंटरप्राइज) के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के समान कृषि-जलवायु परिस्थितियों पर प्रकाश डाला, जो फसलों, तटीय कृषि और जलवायु सहनशीलता जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान के लिए अनुकूल हैं। बैठक में वर्तमान ड्यूल-डिग्री पीएच.डी. कार्यक्रम को स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विस्तारित करने पर चर्चा हुई। साथ ही, संकाय आदान-प्रदान, अध्ययन अवकाश और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देने पर विचार किया गया। दोनों संस्थानों ने कृषि-स्टार्टअप और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए 'पूसा लॉन्चपैड' और 'डब्ल्यूएसयू लॉन्चपैड' के बीच तालमेल स्थापित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी

भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित व्याख्यान

भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ की "प्रतिष्ठित विशेषज्ञ व्याख्यान" श्रृंखला के अंतर्गत, आईएए ने भा.कृ.अनु.प-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली के सहयोग से 31 अक्टूबर 2025 को एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित किया। इस व्याख्यान का विषय था – "कृषि स्नातकों के लिए उद्यमिता के विकल्प"। यह व्याख्यान नाबार्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जी.आर. चिंतला द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों और संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

आईएए के अध्यक्ष नाबार्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जी.आर. चिंतला का सम्मान करते हुए

भा.कृ.अ.सं. दीक्षारंभ–2025

6वीं अधिष्ठाता समिति की सिफारिशों और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए नवप्रवेशित स्नातकोत्तर और पीएच.डी. छात्रों हेतु "भा.कृ.अ.सं. दीक्षारंभ–2025" छात्र अभिमुखीकरण सह-आधार कार्यक्रम आयोजित किया। भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में यह

कार्यक्रम 28 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया। 3 दिसंबर 2025 को निदेशक, संयुक्त निदेशक (शिक्षा) एवं डीन तथा स्नातक विद्यालय के अन्य अधिकारियों ने छात्रों को संबोधित किया। भा.कृ.अ.सं. के असम और झारखंड परिसरों में भी इसी प्रकार का अभिमुखीकरण कार्यक्रम 28 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया गया।

भा.कृ.अ.सं. दीक्षारंभ–2025 के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ

भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ का द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान

भा.कृ.अ.सं. पूर्व छात्र संघ (आईएए) ने 2 दिसंबर 2025 को अपना द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान आयोजित किया, जिसके बाद एलुमनाई मीट का भी आयोजन हुआ। यह व्याख्यान सीएसआईआर (वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद) के पूर्व महानिदेशक डॉ. आर. ए. माशेलकर द्वारा दिया गया। व्याख्यान का विषय था – "इनोवेशन का पवित्र लक्ष्य: कम संसाधनों से अधिक लोगों के लिए अधिक लाभ"। उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि आय में असमानता होने के बावजूद सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच मिलना, नवाचार आधारित विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आईएए स्थापना दिवस व्याख्यान के दौरान उपस्थित गणमान्य अतिथि

स्पर्धा 2025 – वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के स्नातकोत्तर छात्र संघ (पीजीएसएसयू) ने 19 से 22 दिसंबर 2025 तक वसंत हॉस्टल मैदान, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में "स्पर्धा 2025" वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन में लगभग 450 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव द्वारा किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक द्वारा स्पर्धा 2025 वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन

स्पर्धा 2025 में छात्रों की भागीदारी

प्रसार

आईएफएस मॉडलों पर प्रक्षेत्र दिवस

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, असम ने 8 दिसंबर 2025 को गोगामुख, असम में "वैज्ञानिक समेकित कृषि प्रणाली" विषय पर प्रक्षेत्र दिवस सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 किसानों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने आईएफएस के लाभ, कृषि यंत्रीकरण और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही, उत्तर-पूर्व क्षेत्र में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को छोटे कृषि उपकरण भी वितरित किए गए।

गुलदाउदी (क्राइज़ेंथेमम) पर प्रक्षेत्र दिवस

पुष्प विज्ञान एवं भू-दृश्य निर्माण संभाग द्वारा दिनांक 31 दिसंबर 2025 को गुलदाउदी (क्राइज़ेंथेमम) पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में खेती, उद्योग, सरकारी विभागों, मीडिया और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े 100 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान गुलदाउदी की लोकप्रिय किस्मों जैसे पूसा गुलदस्ता, पूसा श्वेत और पूसा सुंदरी का प्रदर्शन किया गया।

पूर्ण खिली अवस्था में गुलदाउदी (क्राइज़ेंथेमम)

किसान गोष्ठियां

संभाग/कृषि विज्ञान केंद्र	दिनांक	कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य	लाभार्थी
कृषि प्रसार	• 14 एवं 24 अक्टूबर, 2025	• एमजीएमजी के अंतर्गत लहचोड़ा गाँव, बागपत और बुलंदशहर (उ.प्र.) में रबी मौसम के लिए उन्नत भा.कृ.अ.सं. किस्मों का प्रचार-प्रसार	111
कृषि विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम	• 01, 11 एवं 31 अक्टूबर, 2025 • 19 नवंबर, 2025 • 13 दिसंबर, 2025	• स्वच्छता और "कचरे से संपत्ति" के महत्व पर कार्यक्रम • पीएमडीडीकेवाई एवं अन्य योजनाओं के शुभारंभ के लाइव प्रसारण के दौरान किसान गोष्ठी का आयोजन • राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन • पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण • किसान चौपाल का आयोजन	617
कृषि भौतिकी	• 01 दिसंबर, 2025	• बुलंदशहर (उ.प्र.) में मौसम आधारित कृषि परामर्श, फसल अवशेष प्रबंधन, ड्रोन तकनीक और परिशुद्ध कृषि पर कार्यक्रम किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	30
सस्यविज्ञान	• 16 अक्टूबर से 08 दिसंबर, 2025	• मारुति सीएसआर के अंतर्गत "किण्वित जैविक खाद" विषय पर बलिया, गाजीपुर (उ.प्र.), गुना (म.प्र.), कृ.वि.के. वाराणसी, कृ.वि.के. आनंद, डीजीआर जूनागढ़ और आईआईएसएसटी मऊ में कार्यक्रम आयोजित किए गए	650

सस्यविज्ञान संभाग द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी

महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन

विश्व खाद्य दिवस

खाद्य विज्ञान एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी संभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खाद्य एवं कृषि संगठन की 80वीं वर्षगांठ का भी स्मरण किया गया। कार्यक्रम का विषय था – "बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य के लिए हाथ से हाथ मिलाकर"। इस आयोजन में वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहयोग और साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर भा.कृ.अ.सं. ने सतत एवं स्वस्थ आजीविका के लिए नवाचारपूर्ण कृषि एवं कटाई उपरांत प्रौद्योगिकियों के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

विश्व खाद्य दिवस समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं प्रतिभागी

विश्व मृदा दिवस

विश्व मृदा दिवस 2025 के उपलक्ष्य में मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन संभाग में 28 नवंबर 2025 को स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए "मृदा चित्रकला प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इसके बाद 5 दिसंबर 2025 को "स्वस्थ मृदा, स्वस्थ शहर" विषय के अंतर्गत एक अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉयल साइंस (दिल्ली चैप्टर) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली के 50 से अधिक स्कूली छात्रों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, कृषि विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम ने भी 5 दिसंबर 2025 को अपने परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मृदा परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य और उर्वरकों के संतुलित उपयोग के महत्व पर किसानों को जानकारी दी गई।

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विद्यालय के छात्रों को पुरस्कार वितरण

विश्व मृदा दिवस 2025 – मृदा चित्रकला प्रतियोगिता

कृषि शिक्षा दिवस

स्नातकोत्तर विद्यालय द्वारा 03 दिसंबर, 2025 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर कृषि शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री हेमेन्द्र माथुर, अध्यक्ष, एफआईसीसीआई टास्कफोर्स ऑन एग्री स्टार्ट-अप्स ने "कृषि परिवर्तन के मूल स्तंभ के रूप में एग्रीटेक" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्रों से परिवर्तन के वाहक एवं नेतृत्वकर्ता बनने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने "विकसित कृषि" को "विकसित भारत" के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विद्यालयी छात्रों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य उन्हें कृषि एवं कृषि-उद्यमिता के क्षेत्र में रोजगार सृजित करने के लिए प्रेरित करना था।

कृषि शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करते विद्यालय के छात्र

कृषि शिक्षा दिवस

कृषि विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम द्वारा 03 दिसंबर, 2025 को राजकीय विद्यालय, शिकोहपुर में कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु कृषि शिक्षा को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में कुल 150 छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र गुरुग्राम द्वारा आयोजित कृषि शिक्षा दिवस में भाग लेते छात्र

नवोन्मेषी किसान सम्मेलन – 2025

नवोन्मेषी किसान सम्मेलन–2025 का उद्घाटन दिनांक 23 दिसंबर, 2025 को भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में किया गया। यह आयोजन किसान दिवस के अवसर पर तथा "किसानों के मसीहा" के रूप में विख्यात श्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में किसानों को राष्ट्र निर्माण की रीढ़ बताते हुए खाद्य सुरक्षा एवं सतत विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री भागीरथ चौधरी ने श्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक ईमानदार नेता बताया, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया। डॉ. एम.एल. जाट. , सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने किसानों को "राष्ट्र के वास्तविक रत्न" की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि किसान दिवस केवल एक प्रतीकात्मक अवसर नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण में किसानों की केंद्रीय भूमिका की याद दिलाने का महत्वपूर्ण दिवस है।इस अवसर पर किसान नवाचारों पर आधारित दो पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया।

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, माननीय श्री भगीरथ चौधरी द्वारा प्रकाशनों का विमोचन

नवोन्मेषी किसानों के साथ डॉ. सी एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

विभिन्न संभागों में स्वच्छ भारत अभियान

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मुख्य परिसर, क्षेत्रीय केंद्रों एवं अन्य परिसरों में 15 सितंबर से 02 अक्टूबर तथा 16 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2025 के दौरान स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में छात्रों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. सी एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की तथा विभिन्न संभागों एवं परिसरों के सदस्यों को प्रेरित किया। उन्होंने स्वच्छ भारत एवं स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर बल देते हुए सभी को स्वच्छता को दैनिक जीवन की नियमित आदत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे स्वच्छ एवं हरित भविष्य का निर्माण किया जा सके।

क्षमता निर्माण

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं

संभाग/इकाई/कृ वि के/ क्षेत्रीय केंद्र	दिनांक	कार्यक्रम का शीर्षक
कृषि प्रसार	• 01 अक्टूबर, 2025 • 01–05 दिसंबर, 2025	• 'भारत में खाद्य प्रणालियों की सततता के लिए उत्कृष्ट पहल विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जर्मनी के होहेनहाइम विश्वविद्यालय के कृषि में सामाजिक विज्ञान संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. जूली फोर्टिन द्वारा व्याख्यान दिया गया। • तकनीकी कर्मचारियों (T-1) की व्यक्तिगत कार्यकुशलता में वृद्धि विषयक कार्यक्रम।
जेडटीएम एवं बीपीडी इकाई द्वारा सीसीयूबीजीए एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान संभाग के सहयोग से	• 03–06 नवंबर, 2025	• स्पिरुलिना बायोमास का संवर्धन एवं डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग द्वारा मूल्यवर्धित उत्पादों का विकास तथा व्यावसायिक उपक्रमों का अवलोकन
सस्य विज्ञान	• 07–10 अक्टूबर, 2025 • 08–22 दिसंबर, 2025	• जैविक खेती • मृदा, जल एवं जलवायु का एकीकृत प्रबंध
क्षेत्रीय केंद्र, करनाल	• 16 अक्टूबर, 2025	• विश्व खाद्य दिवस से संबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम
कृषि अर्थशास्त्र	• 04–06 नवंबर, 2025 • 24–27 नवंबर, 2025	• "उन्नत अर्थमितीय मॉडल तथा घरेलू उपभोग सर्वेक्षण आंकड़ों के माध्यम से व्यय लोच का आकलन" विषय पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम • "कृषि वस्तुओं एवं व्यापार के नीति विश्लेषण हेतु अंतरराष्ट्रीय मॉडल (इम्पैक्ट)" विषय पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
जैवरसायन	• 28 नवंबर, 2025 • 18 दिसंबर, 2025	• "खाद्य विज्ञान एवं पोषण जैवरसायन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका" विषय पर कार्यशाला • "खाद्य तेलों का पृथक्करण एवं विशेषताओं का निर्धारण तथा मिश्रण का महत्व" विषय पर कार्यशाला-सह-प्रायोगिक प्रशिक्षण
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, धारवाड़	• 05 दिसंबर, 2025	• उन्नत सोयाबीन उत्पादन तकनीक एवं एससीएसपी के अंतर्गत आदान वितरण
कृषि विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम	• 01 अक्टूबर, 2025 • 10–14 नवंबर, 2025 • 27–28 नवंबर, 2025 • 02–08 दिसंबर, 2025 • 10–11 दिसंबर, 2025 • 10–16 दिसंबर, 2025	• बेहतर परामर्श सेवाओं हेतु आईसीटी उपकरणों की समझ • पोषण सुरक्षा हेतु गृह स्तर पर पोषण वाटिका की स्थापना • मोटे अनाजों में मूल्य संवर्धन • गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हेतु डेयरी प्रबंधन • महिला सशक्तिकरण हेतु आय सृजन गतिविधियाँ • मशरूम उत्पादन तकनीक
कृषि अभियांत्रिकी	• 01–10 दिसंबर, 2025	• भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के एनईएच कार्यक्रम के अंतर्गत "पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र के किसानों की आजीविका सुधार हेतु आधुनिक उपकरण एवं तकनीक" विषय पर प्रशिक्षण
संरक्षित कृषि प्रौद्योगिकी केंद्र	• 15 दिसंबर, 2025	• ग्रीनहाउस हाइड्रोपोनिक्स एवं एरोपोनिक्स पर कौशल विकास कार्यक्रम

संभाग/इकाई/कृ वि के/ क्षेत्रीय केंद्र	दिनांक	कार्यक्रम का शीर्षक
पर्यावरण विज्ञान	• 15 दिसंबर, 2025	• "कृषि एवं खाद्य प्रणालियों में नैनो एवं माइक्रोप्लास्टिक्स" विषय पर विचार-मंथन सत्र
बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	• 11 अक्टूबर–05 दिसंबर, 2025	• एससीएसपी के अंतर्गत 1770 किसानों को रबी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक, बीज एवं आदान वितरण, फसल अवशेष प्रबंधन, संरक्षित खेती, पीएम-किसान जागरूकता, उद्यान उत्पाद प्रसंस्करण तथा उन्नत फल एवं सब्जी किस्मों पर प्रशिक्षण एवं फील्ड डे का आयोजन (अलीगढ़, सितारगंज, करनाल, मंडी, शामली, देवरिया, चैलचौक–हिमाचल प्रदेश, नई दिल्ली एवं पूसा–बिहार)

"घरेलू उपभोग सर्वेक्षण आंकड़ों का उपयोग कर व्यय लोच के आकलन हेतु उन्नत अर्थमितीय मॉडल एवं उनके अनुप्रयोग" विषयक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी

विद्यालयी छात्रों हेतु प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पादप रोग विज्ञान संभाग एवं कृषि भौतिकी संभाग द्वारा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्रों के लिए एक प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्रों की सहभागिता

भा.कृ.अनु.प. -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पादप संरक्षण उद्योग सम्मेलन

भा.कृ.अनु.प. -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पादप संरक्षण स्कूल द्वारा 29 अक्टूबर, 2025 को प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन पुस्तकालय में 'सतत पादप संरक्षण हेतु नवाचार एवं साझेदारी' विषय पर एक दिवसीय भा.कृ.अ.सं. औद्योगिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य पादप संरक्षण अनुसंधान, शिक्षा, विस्तार एवं प्रौद्योगिकी विकास में अकादमिक–उद्योग सहयोग को सुदृढ़ करना था। बैठक की अध्यक्षता डॉ.संजय कुमार, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली ने की। सह-अध्यक्ष के रूप में डॉ.सीएच. श्रीनिवास राव , निदेशक, भा.कृ.अनु.प. -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान आकादमी के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. अनुपम वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। सम्मेलन में 29 कृषि-उद्योगों के 40 प्रतिनिधियों के साथ संस्थान के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रमुख कंपनियों में यूपीएल लिमिटेड, कॉर्टेवा एग्रीसाइंस, सिंजेन्टा ग्रुप, बायर, पीआई इंडस्ट्रीज, धानुका एग्रीटेक, रैलिस इंडिया, क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन, गोदरेज एग्रोवेट, एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड, एटीजीसी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, डीसीएम् श्रीराम लिमिटेड और चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड सहित अन्य कंपनियों ने विचार-विमर्श में भाग लिया।

एक दिवसीय भा.कृ.अ.सं. पादप संरक्षण उद्योग सम्मेलन में सम्मिलित गणमान्य अतिथि एवं प्रतिभागी

सूक्ष्मजैविक सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प. -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के सूक्ष्मजीव विज्ञान संभाग द्वारा 22 दिसंबर, 2025 को 'सूक्ष्मजैविक सुरक्षा के प्रति जागरूकता' विषय पर एक प्रसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एकेडमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज तथा एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, परियोजना कर्मचारियों एवं होटल स्टाफ सहित कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें पाँच तकनीकी व्याख्यानों के साथ-साथ एमडी बायोकोल्स प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा एक विशेष उद्योग व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। व्याख्यानों में खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, जल सुरक्षा, खाद्य-जनित रोगजनक तथा एफएसएसएआई दिशानिर्देशों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

'सूक्ष्मजैविक सुरक्षा के प्रति जागरूकता' कार्यक्रम के प्रतिभागीगण

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. झारखंड की मुख्य गतिविधियां

जनजातीय किसानों हेतु किसान मेला-सह-संगोष्ठी

जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा–2025 के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड द्वारा झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड के दौरवा गाँव में किसान मेला-सह-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय किसानों को वैज्ञानिक खेती पद्धतियों को बढ़ावा देकर सशक्त बनाना, जागरुकता उत्पन्न करना तथा उन्हें संस्थागत सहयोग से जोड़ना था। मेले में 200 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर जनजातीय किसानों को सब्जी बीज किट का वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि श्री आनंद शर्मा, आईएएस के साथ किसानों की परिचर्चा बैठक

माली प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हजारीबाग के जिला उद्यान विभाग द्वारा प्रायोजित 200 घंटे (25 दिवस) का माली प्रशिक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 06 नवंबर से 04 दिसंबर, 2025 तक भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 31 प्रशिक्षुओं (24 हजारीबाग से एवं 07 रामगढ़ से) को पुष्प, सब्जी एवं फल की फसलों की वैज्ञानिक खेती के संबंध में सघन सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

माली प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हुए प्रतिभागीगण

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. असम की मुख्य गतिविधियां

नई सुविधाओं का उद्घाटन एवं भित्ति पत्रिका का विमोचन

दिनांक 09 दिसंबर, 2025 को डॉ. सीएच श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, असम में महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। इनमें नवनिर्मित बकरी शेड, पोल्ट्री शेड, सौर मछली शुष्कक तथा खाद्य प्रसंस्करण प्रयोगशाला शामिल हैं। इस अवसर पर उन्होंने एटीआईसी भवन में चल रहे डिप्लोमा (एफएएफएम) पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा तैयार की गई प्रथम भित्ति पत्रिका "एक्वाटेरा" का भी विमोचन किया तथा अनुभवात्मक अधिगम एवं छात्र रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया।

डॉ. सीएच श्रीनिवास राव , निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (भा.कृ.अ.सं.), असम में प्रमुख अवसंरचना सुविधाओं का उद्घाटन करते हुए

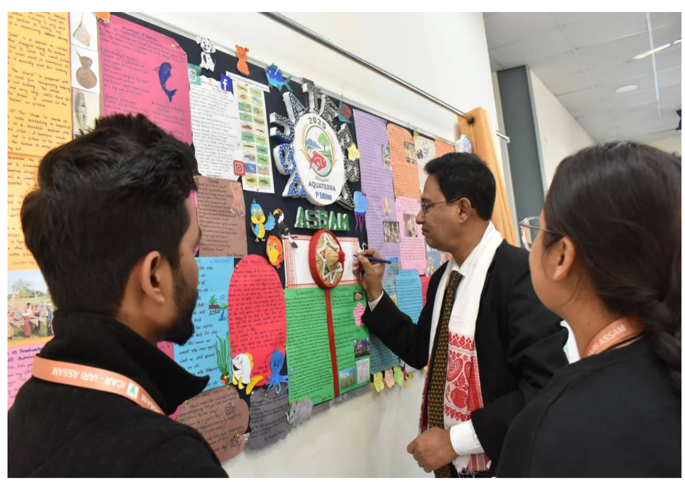

डॉ. सीएच श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. द्वारा प्रथम भित्ति पत्रिका "एक्वाटेरा" का विमोचन

अनुसंधान अनुदान, प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण एवं कृषि उद्यमिता

स्वीकृत एवं क्रियान्वित बाह्य वित्तपोषित/ संविदात्मक / परामर्श परियोजनाएं (> ₹10 लाख)

परियोजना का शीर्षक	धनराशि (₹ लाखों में)	अवधि (वर्ष)	वित्त पोषित एजेंसी	प्रधान अन्वेषक
हरियाणा के अनुसूचित जाति किसानों को उन्नत कृषि उपकरण एवं मशीनरी उपलब्ध कराकर प्रत्यक्ष लाभ मिलना	183.0	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2026	आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर	डॉ. मुकेश कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.सं., क्षेत्रीय केंद्र, करनाल
गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, वितरण एवं क्षमता निर्माण के माध्यम से हरियाणा में अनुसूचित जाति समुदायों का सशक्तिकरण	203.0	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2026	आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर	डॉ. संदीप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.सं क्षेत्रीय केंद्र, करनाल
हरियाणा में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा मानव, मृदा एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य व सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्राप्ति हेतु प्रयोगशाला सुविधाओं को सुदृढ़ीकरण करना	600.0	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2026	आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर	डॉ. संदीप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.सं क्षेत्रीय केंद्र, करनाल
हरियाणा में बीज परीक्षण प्रणाली का रुपांतरण: उच्च थ्रूपुट स्पेक्ट्रल इमेजिंग प्रयोगशाला का विकास	308.0	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2026	आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर	डॉ. संगीता यादव, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.सं क्षेत्रीय केंद्र, करनाल
हरियाणा के किसानों हेतु गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्धता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक बीज प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना	350.0	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2026	आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर	डॉ. संगीता यादव, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.सं क्षेत्रीय केंद्र, करनाल
चना की प्रमुख किस्मों में *एस्कोकाइटा अंगमारी* एवं *फ्यूजेरियम मुर्झान* रोग प्रतिरोध का मार्कर-सहायित पिरामिडीकरण एवं *फ्यूजेरियम मुर्झान* प्रतिरोध का सूक्ष्म मानचित्रण	71.16	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2028	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. चेल्लापिल्ला भारद्वाज, प्रधान वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
आणविक प्रजनन एवं जीनोम संपादन द्वारा पूर्वोत्तर भारत के धान परती क्षेत्रों में चना की नई किस्मों का विकास एवं संवर्धन	59.96	अक्तूबर 2025 – अक्तूबर 2028	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. नीरज कुमार, वैज्ञानिक, आनुवंशिकी संभाग
उपग्रह दूरसंवेदी तकनीक द्वारा उत्तर-मध्य भारत में धान अवशेष दहन की निगरानी एवं मानचित्रण	50.05	नवंबर 2025 – मार्च 2026	पीएम-आरकेवीवाय	डॉ. विनय सहगल, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि भौतिकी संभाग
फसल अवशेष दहन से गैर-कार्बन डाईऑक्साइड ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन एवं यूरिया उपयोग से कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन कारकों की अनिश्चितता में कमी	91.58	दिसम्बर 2025 – जून 2028	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	डॉ. विनय सहगल, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि भौतिकी संभाग
धान खेती से मीथेन तथा कृषि मृदाओं से नाइट्रस ऑक्साइड उत्सर्जन के आकलन हेतु मापन वाहक का विकास	75.59	दिसम्बर 2025 – जून 2028	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	डॉ. आरती भाटिया, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग

परियोजना का शीर्षक	धनराशि (₹ लाखों में)	अवधि (वर्ष)	वित्त पोषित एजेंसी	प्रधान अन्वेषक
अनुबंधित अनुसंधान परियोजनाएँ				
मक्का–गेहूं एवं बाजरा–सरसों प्रणाली में वृद्धि, उत्पादकता और लाभप्रदता पर नैनो एमओपी एवं एनपीके तरल उर्वरक का मूल्यांकन	16.16	अक्टूबर 2025 – अक्टूबर 2026	कॉम्बे प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड	डॉ. राजीव कुमार सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान संभाग
बायोमास पेलेट संयंत्रों एवं कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) डाइजेस्टेट अपशिष्ट को फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद (पीआरओएम) एवं किण्वित जैविक खाद (एफओएम) में उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ) मानकों के अनुसार परिवर्तित करना	11.87	नवंबर 2025 – नवंबर 2026	मणिकरण पावर लिमिटेड	डॉ. लिवलीन शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक, सूक्ष्मजीवविज्ञान संभाग
सेब में सामान्य एवं शीत भंडारण परिस्थितियों में कटाई उपरांत रोग प्रबंधन हेतु पीआईएफ320 का मूल्यांकन	16.76	नवंबर 2025 – नवंबर 2027	पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड	डॉ. संतोष वाटपड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला
नवीन हरित सुपरफूड्स के लिए प्रक्रिया मानकों का अनुकूलन एवं उनका गुणात्मक विश्लेषण	10.64	दिसंबर 2025 – दिसंबर 2026	एम/एस गुड एंड हैप्पी बॉटेनिक्स प्रा. लि.	डॉ. दिनेश कुमार, अध्यक्ष, खाद्य विज्ञान एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी संभाग
खेती वाली मिट्टियों में बायोचार एवं उन्नत शैल अपक्षय के सह-लाभ	62.77	दिसंबर 2025 – दिसंबर 2027	कार्बन रिमूवल इंडिया एलायंस	डॉ. आरती भाटिया, प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण विज्ञान संभाग
भंडारण के दौरान सेब, केला एवं किन्नू में कटाई उपरांत रोगों के विरुद्ध यूपीएफ-1317 की जैव-प्रभावकारिता का मूल्यांकन	36.77	अक्टूबर 2025 – सितंबर 2027	यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड	डॉ. राम आसरे, प्रधान वैज्ञानिक, खाद्य विज्ञान एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी संभाग
कीटनाशक अवशेष एवं प्रदूषकों पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना (एआईएनपी)	33.53	अक्टूबर 2025 – सितंबर 2028	एम/एस निचिनो इंडिया प्रा. लि.	डॉ. वंदना त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक, नेटवर्क समन्वयक
कीटनाशक अवशेष एवं प्रदूषकों पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना (एआईएनपी)	15.24	अक्टूबर 2025 – सितंबर 2028	एम/एस क्रॉप साइंस लिमिटेड	डॉ. वंदना त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक, नेटवर्क समन्वयक

प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण

"लैब टू लैंड" पहल के अंतर्गत, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित 25 प्रौद्योगिकियों का 61 औद्योगिक भागीदारों को व्यावसायीकरण किया गया। इस प्रक्रिया से कुल ₹59.32 लाख का राजस्व अर्जित हुआ।

स्प्रे योग्य बायोपॉलीमेरिक नैनो-संयुग्मित डबल-स्ट्रैंडेड आरएनए फॉर्मुलेशन लाइसेंस का प्रदानीकरण

बौद्धिक संपदा प्रबंधन

पिछली तिमाही में इकाई ने चार पेटेंट और पाँच कॉपीराइट दाखिल किए। इनके विवरण नीचे प्रस्तुत हैं।

पेटेंट		
नवाचार का नाम	**संभाग**	**स्थिति**
सूक्ष्मजीवी एवं खनिज संवर्धन के माध्यम से मृदा संशोधक संरचना तैयार करने की विधि	पर्यावरण विज्ञान संभाग	दाखिल किए गए
सिलिका-समृद्ध कृषि अवशेष एवं स्टील स्लैग आधारित मृदा संशोधक तथा उनकी तैयारी की विधि	पर्यावरण विज्ञान संभाग	दाखिल किए गए
अम्लीय मिट्टी सुधार एवं भारी धातु नियंत्रण हेतु स्टील स्लैग आधारित मृदा संशोधक संरचनाएँ	पर्यावरण विज्ञान संभाग	दाखिल किए गए
कम कैलोरी अल्ट्रासोनिकेटेड आंवला कैंडी तथा उसकी तैयारी की विधि	खाद्य विज्ञान एवं फसलोत्तर प्रौद्योगिकी संभाग	दाखिल किए गए

कॉपीराइट	
नवाचार का नाम	**संभाग**
एग्री-न्यूट्री मीटर	कृषि प्रसार
एग्री न्यूट्री पॉकेट डायरी	कृषि प्रसार
सीडलिमॉर्फएक्स: चित्र आधारित पौध-शिशु (सीडलिंग) आकृति विश्लेषण उपकरण (संस्करण 1.0.0)	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
1 पंत ईएसडीबी: पादप पर्यावरणीय तनाव-प्रतिक्रिया जीन डेटाबेस	आनुवंशिकी

आईटीएमसी बैठक

पिछली तिमाही में 21 नवंबर 2025 को एक आईटीएमसी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बौद्धिक संपदा (आईपी) संरक्षण हेतु 6 प्रौद्योगिकियों तथा व्यावसायीकरण के लिए 33 प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने की स्वीकृति दी गई।

इन्क्यूबेशन गतिविधियाँ

उपजा एवं एराईज 2025–26 समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह

पूसा कृषि ने 6 नवंबर 2025 को उपजा एवं एराईज इन्क्यूबेशन कार्यक्रमों के अंतर्गत सीड एवं प्री-सीड फंडिंग के लिए चयनित 44 स्टार्टअप्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन के तहत स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता, मार्गदर्शन (मेंटोरशिप) तथा भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के व्यापक अनुसंधान तंत्र तक पहुंच प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपने कृषि नवाचारों को और अधिक विकसित तथा विस्तारित कर सकें।

क्षितिज 2025–26

क्षितिज 2025–26 कार्यक्रम के अंतर्गत 47 स्टार्टअप्स को चरण-I के लिए चयनित किया गया, जिनके लिए 23 सितंबर से 8 अक्टूबर 2025 तक गहन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके बाद 12 स्टार्टअप्स चरण-II और चरण-III में आगे बढ़े। इन चरणों में निवेश और बाज़ार तैयारी को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान क्षेत्र विशेषज्ञों के साथ व्यक्तिगत मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए, जिससे स्टार्टअप्स को व्यावहारिक अनुभव और रणनीतिक दिशा-निर्देश प्राप्त हुए।

उपजा इन्क्यूबेशन कार्यक्रम में प्रतिभागी

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के जेडटीएम एवं बीपीडी इकाई ने संबंधित संभागों के सहयोग से तिमाही के दौरान निम्नलिखित कृषि-उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए

संभाग	अवधि	कार्यक्रम
शाकीय विज्ञान संभाग	06–11 अक्टूबर 2025	सब्जी फसलों में हाइब्रिड बीज उत्पादन के माध्यम से उद्यमिता
सीसीयूबीजीए, सूक्ष्मजीव विज्ञान संभाग	03–06 नवंबर 2025	स्पाइरुलिना बायोमास की खेती एवं मूल्य संवर्धित उत्पादों हेतु डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग
जैव रसायन विज्ञान संभाग	17–21 नवंबर 2025	माइक्रोग्रीन्स उत्पादन तकनीक: व्यावहारिक प्रशिक्षण आधारित कार्यक्रम
मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान संभाग	08–13 दिसंबर 2025	मृदा परीक्षण में उद्यमिता के लिए पूसा एसटीएफआर मीटर का उपयोग

'सब्जी फसलों में हाइब्रिड बीज उत्पादन के माध्यम से उद्यमिता विकास' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों का प्रक्षेत्र भ्रमण

छात्र उद्यमिता गहन कार्यशाला

यह एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला है, जिसका उद्देश्य छात्रों को उद्यमिता (स्टार्टअप शुरू करने और व्यवसाय विकसित करने) के बारे में व्यावहारिक जानकारी देना है। इस प्रकार की कार्यशाला में छात्रों को कृषि-उद्यमिता के अवसर, स्टार्टअप की प्रक्रिया, नवाचार को बाजार तक ले जाने की रणनीति, निवेश प्राप्त करने के तरीके और सफल उद्यमियों के अनुभवों से सीखने का अवसर मिलता है। इसका मुख्य लक्ष्य छात्रों में उद्यमिता की सोच विकसित करना और उन्हें पारंपरिक शोध या नौकरी से आगे बढ़कर नए अवसरों के लिए प्रेरित करना है।

उद्यमिता गहन कार्यशाला में उपस्थित छात्र

संस्थागत गतिविधियाँ, पुरस्कार, प्रकाशन और भ्रमण

संस्थागत गतिविधियाँ

अक्टूबर–दिसंबर 2025 के दौरान आयोजित बैठकें

बैठकें	दिनांक	मुख्य बिंदु
सीएजी एग्जिट बैठक	17 अक्टूबर 2025	भा.कृ.अ.सं. में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के प्रबंधन से संबंधित विषय-विशिष्ट अनुपालन लेखा परीक्षा पर चर्चा
113वीं संस्थान संयुक्त स्टाफ परिषद बैठक	30 अक्टूबर 2025	कर्मचारी कल्याण, प्रशासनिक मुद्दों एवं संस्थागत कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श
माननीय कृषि मंत्री द्वारा ईएफसी एवं समीक्षा बैठक	05–06, 09–10 एवं 26 दिसंबर 2025	नए परियोजनाओं के निर्माण पर समीक्षा एवं चर्चा
भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. की प्रथम प्रबंधन मंडल की बैठक	12 दिसंबर 2025	संस्थान के एकीकृत संचालन एवं भविष्य की प्रगति से संबंधित प्रमुख प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं रणनीतिक विषयों पर चर्चा
वरिष्ठ अधिकारी परिषद की तीन बैठकें	अक्टूबर–दिसंबर 2025	अनुसंधान, शिक्षा एवं प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा, अंतर-विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करना तथा भविष्य की पहलों एवं कार्यक्रमों की योजना बनाना

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली की प्रथम प्रबंधन मंडल की बैठक

वरिष्ठ अधिकारी परिषद की बैठक

25वां वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय सम्मेलन

क्ले मिनरल्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. के सहयोग से 18–19 दिसंबर 2025 को भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. नई दिल्ली में "पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने, कार्बन संचयन तथा जलवायु परिवर्तन शमन हेतु क्ले एवं संबद्ध विज्ञानों के अनुप्रयोग" विषय पर 25वां वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. एम. एस. खेरा, पूर्व प्रमुख, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. द्वारा किया गया। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों एवं युवा शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

सीएमएसआई के 25वें वार्षिक अधिवेशन एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित गणमान्य अतिथि एवं प्रतिभागी

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में एग्री-वोल्टाइक सुविधा की स्थापना

18 दिसंबर 2025 को सचिव एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., डॉ. एम.एल. जाट ने भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में स्थापित 100 किलोवाट पीक क्षमता वाली एग्री-फोटोवोल्टाइक पायलट परियोजना का उद्घाटन किया। यह परियोजना एग्री-पीवी उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत स्थापित की गई है। यह उत्कृष्टता केंद्र देश के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में विज्ञान-आधारित एग्री-पीवी समाधानों को बढ़ावा देने हेतु एक राष्ट्रीय ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करेगा। यह पायलट परियोजना जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्रालय की ओर से जीआईजेड इंडिया द्वारा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भा.कृ. अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. तथा राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है।

एग्री-वोल्टाइक सुविधा के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथि

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. में एग्री-वोल्टाइक सुविधा (एग्री-पीवी) की स्थापना

भा.कृ.अनु.सं में भा.कृ.अनु.प. केंद्रीय क्षेत्र खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का आयोजन

भा.कृ.अनु.प. केंद्रीय क्षेत्र खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का सफल आयोजन 12–15 दिसंबर 2025 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली में किया गया। इस प्रतियोगिता में 13 भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उद्घाटन समारोह में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समापन समारोह में भा.कृ. अनु.प. के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आयोजन सचिव डॉ. दिनेश कुमार ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता में कुल 976 खिलाड़ियों ने भाग

लिया, जिन्होंने 18 एथलेटिक्स स्पर्धाओं और 21 टीम स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा की। भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. ने केंद्रीय क्षेत्र खेलकूद प्रतियोगिता में समग्र चैंपियन का खिताब प्राप्त किया। महिला वर्ग में भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं. की सुश्री प्रज्ञा मीणा तथा पुरुष वर्ग में आईसीएआर–आईएआरआई के डॉ. शरण बसप्पा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

भा.कृ.अ.सं. ने केन्द्रीय क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में समग्र चैंपियनशिप जीती

पुरस्कार और सम्मान

- फल एवं औद्यानिकी प्रौद्योगिकी संभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. अवस्थी को गिरधारी लाल चड्ढा पुरस्कार तथा डॉ. अमित कुमार गोस्वामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक को डी.पी. घोष युवा वैज्ञानिक पुरस्कार–2025 (फल विज्ञान) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 6–9 नवंबर 2025 के दौरान भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी द्वारा, बेंगलुरु स्थित कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित 11वें भारतीय बागवानी कांग्रेस में प्रदान किया गया।
- कृषि अर्थशास्त्र संभाग की अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अलका सिंह को इकोनॉमिक्स रिसर्च एसोसिएशन फेलो–2025 तथा डॉ. प्रवीण के.वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक को यंग एग्रीकल्चरल इकोनॉमिस्ट अवार्ड–2025 से सम्मानित किया गया।
- कीटविज्ञान संभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शशांक पी.आर. को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत का सदस्य चुना गया।
- कीटविज्ञान संभाग के वैज्ञानिक डॉ. सुरेश एम. नेबापुरे को टी. एन. अनंथकृष्णन युवा वैज्ञानिक पुरस्कार–2025 के लिए चयनित किया गया।
- आनुवंशिकी संभाग के वैज्ञानिक डॉ. नीरज को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एन.ए.ए.एस.) युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- पर्यावरण विज्ञान संभाग के अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार सूरा, डॉ. आरती भाटिया (प्रधान वैज्ञानिक), आनुवंशिकी संभाग के डॉ. विग्नेश मुथुसामी (वरिष्ठ वैज्ञानिक) तथा पादप रोग विज्ञान संभाग के डॉ. अमलेन्दु घोष (वरिष्ठ वैज्ञानिक) को एन.ए.ए.एस. अध्येता चुना गया।
- आनुवंशिकी संभाग के डॉ. हरि कृष्ण, डॉ. निहारिका मलिक तथा क्षेत्रीय केंद्र कालिम्पोंग (प. बंगाल) के डॉ. सुजीत सरकार को एन.ए.ए.एस. एसोसिएट चुना गया।
- आनुवंशिकी संभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. किरण गायकवाड़ को श्री एस.ए. ददलानी स्मृति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- डॉ. आशीष खंडेलवाल तथा सहयोगी वैज्ञानिकों – डॉ. नीरा सिंह, डॉ. शशि बाला सिंह, डॉ. लता नैन, डॉ. तिर्थंकर बनर्जी और डॉ. बालासुब्रमण्यम रामकृष्णन (कृषि रसायन संभाग, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.अ.सं., नई दिल्ली) ने 'पूसा ऑयलिफैगस' नामक एक नई तकनीक विकसित की। इस तकनीक को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से आधिकारिक तकनीकी प्रमाणन प्राप्त हुआ।
- भा.कृ.अ.सं. को 20–21 दिसंबर 2025 को रोज सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विंटर रोज शो–2025 में विभिन्न वर्गों में श्रीमती चंदर कांता डागर मेमोरियल ट्रॉफी, सरोजा चारी मेमोरियल चैलेंज ट्रॉफी तथा रोज सोसाइटी चैलेंज कप से सम्मानित किया गया।

नास रेटिंग >10.0 वाले प्रकाशन

- बाबू पी., प्रसाद एम., निर्मलरुबन आर., कुमार एस., यादव आर., कुमार एम., गायकवाड़ के.बी., बैंसला एन.के., रेड्डी एस.बी., सैफी एन., मजूमदार ए.के., अलेक्या एम., कौशिक जी., धर्मतेजा पी., पाटिल एम.एस., सिंह एस.के., विजय डी. और कुमार आर.आर. 2025. ब्रेड गेहूं (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.) में पत्ती रतुआ प्रतिरोध के लिए संबद्धता अध्ययन, जिसमें सिलिकॉन (Si) प्रतिक्रिया से जुड़े विभिन्न जीनोमिक क्षेत्रों की पहचान की गई। बीएमसी प्लांट बायोलॉजी 25, doi: 10.1186/s12870-025-07135-z.
- बरमन एस., शशांक पी.आर., दीक्षा डी., शर्मा एस.के., गुप्ता एन., कुमार ए., ढिल्लों एम.के. और रे एस. 2025. खरबूजा मक्खी (*जियोगोडैकस कुकुर्बिटे*) की त्वरित स्थल-स्तरीय पहचान हेतु सरल टेम्पलेट लूप-मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (LAMP) परीक्षण। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड रिसर्च 25, doi: 10.1016/j.jafr.2025.102581.
- चानू एल.जे., पुरकायस्थ टी.जे., भादुड़ी डी., अली एम.एफ., शिवाय वाई.एस., सारन एस., कुमार वी., अलहोमरानी एम. और अलामरी ए.एस. 2025. दीर्घकालिक धान–गेहूं फसल प्रणाली में मृदा जैविक गुणवत्ता का आकलन: निरंतर बनाम अवशिष्ट जैविक पोषक तत्वों का प्रभाव। सॉइल एंड टिलेज रिसर्च 254, doi: 10.1016/j.still.2025.106725.

- चौधरी ए., चौधरी एम., पुरकायस्थ टी.जे., सिंह टी., रोसिन के.जी., सिन्हा एन.के., दीपक के.जी., शर्मा ए., जांगड़ा पी., रक्षित एस., सरकार ए., बर्नवाल पी.पी., होडकासिया एस. और कुमार एस. 2025. मृदा उर्वरता एवं जलवायु सहनशीलता का अनुकूलन: कार्बन संचयन और नाइट्रोजन आपूर्ति बढ़ाने में जैविक खेती की श्रेष्ठता। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट 393, doi: 10.1016/j.jenvman.2025.127131.
- जेना टी., बाना आर.एस., सिंह डी., चौधरी ए.के., कौर आर., मीणा एस.एल., मीणा वी.एस., कुमार एस., पाटियल एम., स्पंदना वी., पूनिया वी., निर्मल आर.सी., कुमारी एम. और बंसल आर. 2025. गंधक एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का रणनीतिक उपयोग पौधों के तनाव को कम करते हुए मक्का की उपज स्थिरता, दाने की पोषक घनता और मृदा सूक्ष्मजीव स्वास्थ्य में सुधार करता है। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड रिसर्च 23, doi: 10.1016/j.jafr.2025.102309
- खातून एस., महेश्वरी सी., कुमारी एस., महाजन एम., कौर एच., चौधरी ए.ए. और खान एम.आई.आर. 2025. फाइटोमेलाटोनिन एवं द्वितीयक उपापचय: पौधों में अजैविक तनाव सहनशीलता उत्पन्न करने की कार्यकारी रणनीतियाँ। प्लांट स्ट्रेस 19, doi: 10.1016/j.stress.2025.101178
- कुमार आर.आर., कुमार ए., विनुथा टी., गोस्वामी एस., कुमार एस., सिंह एस., प्रसाद एम.सी.टी., मिश्रा जी.पी., पडारिया जे.सी., झा जी.के., चेल्लेरपिल्ला टी.एस. और विश्वनाथन सी. 2025. मेटाबोलोमिक्स विधि द्वारा बाजरा आटे में एंजाइम-प्रेरित परिवर्तनों का विश्लेषण: गुणवत्ता और शेल्फ-लाइफ सुधार की दिशा में एक कदम। फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन 12, doi: 10.3389/fnut.2025.1691522
- कुमार आर., तालुकदार ए., सैनी एम., राठौड़ एन.के.के., यादव आर.आर., महतो आर.के., पांडेय आर., गायकवाड़ के., लाल एस.के. और बंद्योपाध्याय ए. 2025. सोयाबीन (ग्लाइसिन मैक्स) में हरे, पीले और भूरे बीज आवरण रंग के वंशानुक्रम में मातृ प्रभाव एवं अप्रभावी एपिस्टेसिस की भूमिका। बायोलॉजिकल रिसर्च 58, doi: 10.1186/s40659-025-00648-9
- कुमार आर.आर., गोस्वामी एस., थिम्मेगौड़ा वी., सिंघल एन., मबालिराजन यू., मिश्रा जी.पी., झा जी.के., राय जी.के., प्रवीण एस. और सत्यवती सी.टी. 2025. डी-नोवो ट्रांसक्रिप्टोमिक अध्ययन से बाजरा में खराब होने (रैंसिडिटी) की आनुवंशिक प्रक्रिया का खुलासा। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस 16, doi: 10.3389/fpls.2025.1677082
- मुरुगेसन पी., शर्मा पी., भौमिक एस.एन., चौधरी एस. और कौशिक आर. 2025. पूर्वोत्तर भारत की फॉस्फोरस की कमी वाली अम्लीय मिट्टियों में आर्बस्कुलर माइकोराइजल फफूंद की विविधता और वितरण: सतत कृषि के लिए निहितार्थ। वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 41, doi: 10.1007/s11274-025-04516-2
- पॉल ए., दत्ता ए., कुंडू ए., बन्याल एन., चावला जी., दहूजा ए. और साहा एस. 2025. रेज़िन ऐडसॉर्प्शन-डिसॉर्प्शन विधि द्वारा एसीलेटेड और नॉन-एसीलेटेड एंथोसायनिन का चयनात्मक पृथक्करण एवं विश्लेषण। माइक्रोकेमिकल जर्नल 219, doi: 10.1016/j.microc.2025.115976
- पॉल एस., एम्माडी वी., सरकार एम., दास एस., रॉय ए. और सिन्हा पी. 2025. SCA-MobiPlant: मिर्च पत्ती कुंडल रोग की सटीक पहचान हेतु स्मार्टफोन आधारित बहु-स्तरीय मॉडल। प्लांट मेथड्स 21, doi: 10.1186/s13007-025-01453-x
- प्रभा आर., सीम के., कुमार ए., विनोद के.के., मोहापात्रा टी. और कुमार एस. 2025. धान में फॉस्फोरस की कमी से प्रेरित वैकल्पिक स्प्लाइसिंग परिदृश्य, जो पीयूपी1 क्यूटीएल की नियामक भूमिका की पुष्टि करता है। बीएमसी प्लांट बायोलॉजी 25, doi: 10.1186/s12870-025-07379-9.
- रोजारिया वी., कत्राल ए., मुथुसामी वी., जुंजारे आर.यू., भट्ट वी., शर्मा जी.आर., माधवन जे., नीरजा सी.एन. और हुसैन एफ. 2025. मक्का के प्रारंभिक विकास चरणों में *lpa1* और *lpa2* जीन की स्थानिक एवं कालिक अभिव्यक्ति से पत्तियों और बीजों में कम फाइटेट संचय का अध्ययन। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री 229, doi: 10.1016/j.plaphy.2025.110627
- सेठी जी., मराक डी., सैनी आर., बनर्जी टी., कुमार आर. और सिंह एन. 2025. दो स्थायी कीटनाशकों के जैव-उपचार में पूर्व-प्रभावित मृदा, बायोचार एवं बायोऑगमेंटेशन की भूमिका। बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स 32, doi: 10.1016/j.biteb.2025.102306
- शर्मा वी., प्रसन्ना आर., नैन एल., हुसैन एफ., मुथुसामी वी., शिवाय वाई.एस., दास एस., पाल एम. और कुमार एस. 2025. सीमित नमी की परिस्थितियों में सायनोबैक्टीरिया आधारित जैव-फॉर्मुलेशन द्वारा मक्का जीनोटाइप्स की वृद्धि एवं तनाव सहनशीलता में वृद्धि। वर्ल्ड जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी 41, doi: 10.1007/s11274-025-04679-y
- शेरोन पी., कुमारा के., मुराई ए.एस., कुमार एस., कुमार ए., सिंह आर., कंवल वी., कुमार एस., मीणा एच.एन., मिश्रा जे.पी., दुबे एस.के., राघवेंद्र के.जे., बर्मन आर.आर., सिंह आर.के. और गौतम यू.एस. 2025. क्या फसल अवशेष प्रबंधन तकनीकों को अपनाने से आर्थिक एवं पर्यावरणीय रूप से अनुकूल परिणाम मिलते हैं? इंडो-गंगेटिक मैदानी क्षेत्र से प्राप्त कुछ निष्कर्ष। यूरोपियन जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी 172, doi: 10.1016/j.eja.2025.127825
- सिंह एन., शर्मा आर.एम., दुबे ए.के., शर्मा एन., अवस्थी ओ.पी., साहा एस., भारद्वाज सी., सेवन्ती ए.एम., शिवरन एम., अक्षय, कदम डी.एम. और कुमार ए. 2025. बेहतर फल गुणवत्ता हेतु नए अंतःप्रजातीय साइट्रस संकरण का विकास: भौतिक-रासायनिक एवं संवेदी विशेषताओं का अध्ययन। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड रिसर्च 24, doi: 10.1016/j.jafr.2025.102453
- शोभानन ए., मीणा आर.के. और मिश्रा जी.पी. 2025. माइक्रोग्रीन्स में एलईडी प्रकाश द्वारा पोषक तत्वों के संशोधन पर यांत्रिक एवं सतत दृष्टिकोण। फूड बायोसाइंस 74, doi: 10.1016/j.fbio.2025.107932.

भा.कृ.अ.सं. में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों का भ्रमण

03 अक्टूबर, 2025 को इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल का संस्थान में भ्रमण

जर्मन प्रतिनिधिमंडल द्वारा 07 अक्टूबर, 2025 को संस्थान में भ्रमण

17 अक्टूबर, 2025 को बीएमजीएफ प्रतिनिधिमंडल का संस्थान में भ्रमण

श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर एवं 03 नवंबर, 2025 को संस्थान में भ्रमण

18 दिसंबर, 2025 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित 84वें 'Know India कार्यक्रम' में 17 देशों के प्रतिभागियों की प्रतियोगिता

30 दिसंबर, 2025 को आईआरसी-II के विशेषज्ञों द्वारा ड्रोन एवं रोबोटिक्स प्रायोगिक इकाई तथा बिग डेटा एनालिटिक्स प्रयोगशालाओं का भ्रमण

30 दिसंबर, 2025 को आयोजित पंचवर्षीय समीक्षा बैठक के दौरान भा.कृ.अनु.प. के महानिदेशक द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के संभागाध्यक्षों के साथ परिचर्चा

संकलन समिति
संयुक्त निदेशक (अनु.): डॉ. विश्वनाथन सी.
प्रभारी, प्रकाशन यूनिट: डॉ. अंजलि आनंद
सह-प्रभारी: डॉ. अतुल कुमार
निजी सचिव: श्री बी.एस. रावत
वेबसाइट : http://www.iari.res.in

निदेशक भा.कृ.अनु.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली-110012 की ओर से, प्रकाशन यूनिट द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित तथा हिंदी अनुभाग द्वारा अनुवादित